खेती अपनी संस्कृति

आज हमारा भारत देश वैज्ञानिकी और प्रौद्धयोग जैसे कई क्षेत्रों मे बहुत उन्नती हासिल कर चुके है। शिक्षा और संस्कृति के मामले में भी हमारा देश किसी भी देश से कम नही है। बदलती हुई ~~दुनिया के~~ इस दुनिया में रहनेवाले लोग भी बदल रहे हैं। ऐसी स्थिति में भी हम भारत वासियों ने अपनी संस्कृति को बिना भूले आगे बढ रहे हैं। भारत एक छोटा देश हैं यह देश अन्य देशों से बिलकुल अलग है। यह किसानों का देश है और यहाँ एक समय में ज्यादातर लोग किसान हुआ करते थे। इसलिए खेती हमारे देश की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एक समय था जब इस देश का हर व्यक्ति खेती और किसानों का सम्मान करता था। हर कोई किसान बनना चाहता था क्योंकि उन्हे खेती के सिवाय और कुछ आता ही नही था पर विदेशी शक्तियों के आने-जाने के बाद लोग खेती के साथ-साथ और भी नए काम करना सीख गए जिससे किसानों की संख्या कम होती गई। अब लोग खेती को एक नीच काम समझते हैं। वे लोग किसानों का सम्मान नही करते

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

गरीब किसानों का मज़ाक उडाते हैं और उनका अपमान करते हैं। पर वे लोग यह भूल रहे हैं कि अगर किसान न होते तो न हमारे घर मे दाने आते और न ही हम अच्छा खाना खा पाते हैं मिलता तो सिर्फ बनावटी और सेहत के लिए हानिकारक खाने की चीज़ें। हमे अपने संस्कार को नही भूलना चाहिए। अगर भूखा नही मरना है तो किसानों का सम्मान करें।

सबसे ज्यादा खेती से संबंधित त्योहारे मनाने वाला देश भी भारत है। 'बिहु', 'ओनम' आदि त्योहार भारत के अलग-अलग राज्यों में मनाते हैं जो खेती से संबंधित होते हैं। पूरे साल की मेहनत करने के बाद जब किसानों को अच्छी फसल मिलती है तब मनाने वाले ये त्योहारें उनके लिये खुशी और थोडा विश्राम करने का दिन है। उन किसानो की खुशी मे हमें भी शामिल होनी चाहिए। हमे ये दिन भी 'क्रिसमस' और 'न्यू इयर' की तरह धूमधाम से मनानी चाहिए क्योंकि हमे विदेशियों के सांस्कृतिक त्योहारों से ज्यादा अपने सांस्कृतिक त्योहारों को ज्यादा महत्व देनी चाहिए। हमे अन्न मिल रहा है। किसानों की मेहनत की बजह से अच्छी फसल उग रही है। तो उस दिन की खुशी मनाना अत्यंत आवश्यक है।

जहाँ किसानों का सम्मान होना चाहिए वहाँ किसानों पर अत्याचार होना शुरु हो गया है। कुछ बुरे लोगों की वजह से किसानों के खेत बरबाद हो रहे हैं। चाहे वे गलती जानबूझकर करे या अंजाने में लेकिन नुकसान तो किसानों का ही हो रहा है। गाड़ियों के धुएं से आनेवाले ज़हरीले पदार्थ, खार कारखानों के धुएं वहाँ कि गंगा का पानी में मिलना इन सब से मौसम में बदलाव आ रहे हैं जहाँ बारिश होना था वहाँ बहुत तेज़ गरमी हो जाती है और जहाँ गरमी का मौसम होना था वहाँ बारिश हो जाती है। एक अनुभवी किसान को इस मौसम में आने जाने के समय के बारे में बहुत अच्छे से पता होता है। वह उस हिसाब से ही बीज बोकर फसल उगाता है। पर जब मौसम में बदलाव आएँगे तब किसानों को पता ही नहीं चलेगा कि कौनसा कौनसी फसल कब उगानी है। इसलिए गलत समय पर गलत फसल लगाने के कारण उसकी फसल नष्ट हो जाती है। कुछ जगहों पर तो अब तेज़ाब की बारिश हो रही है जिसके कारण बेचारे किसान कि ज़मीन कुछ भी उगाने लायक नहीं बचता क्यों कि वहाँ की मिट्टी खराब हो जाती है। जिस किसान ने हमें अन्न दिया

उसी किसान की ज़िंदगी हमारी वजह से खराब हो रही है।

सरकार को किसानों की मदद करनी चाहिए। उन्हें खेती को ज्यादा बढावा देनी चाहिए। लोगों को अपनी संस्कृति के बारे में ज्ञान दिलाने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन हमारे सरकार तो विदेशियों के संस्कार को बढावा दे रहे हैं। अगर किसी अमीर आदमी को बॉक से लॉन लेना होता है तो बॉकवाले उसे तुरंत लॉन दे देते हैं पर अगर वह एक गरीब किसान होता है तो उसे लॉन देने में वे थोडी इच्छिच्छाइट प्रकट करेंगे और अगर लॉन समय पर नहीं चुकाने तो उस किसान की ज़मीन उससे छीन ली जाती है। इनसब के कारण उस किसान के पास आत्महत्या करने के सिवाय और कोई चारा नहीं होता। इन सब कारणों से भारत के किसान खेती छोडकर दूसरे काम ढूँढने लगे हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो भारत में किसानों की संख्या कम हो जाएगी। अगर ऐसा ही चलता रहा तो भारत एक ऐसा देश बन जाएगा जहाँ पूर सिर्फ बंजर ज़मीन ही हो, जहाँ के खेतों में खेती करते किसान नहीं दिखेंगे, उनका मधुर गीत सुनाई नहीं देंगे, न त्योहार होगी और न ही अनाज मिलेगी। भारत को ऐसा देश बनने से रोकना हमारा कर्तव्य है।

Item Code: 645 Participant Code: 323

हमारे खेत हमारे संस्कार का हिस्सा है। यह खेत एक मंदिर कि तरह है और इस मंदिर के पूजारी है हमारे किसान। इसलिए जिस तरह मंदिर, चर्च या मसजिद पर ईश्वर की पूजा होती है उसी तरह हमे अपने खेतों की भी पूजा करनी चाहिए और किसानो का सम्मान करनी चाहिए। जिस तरह एक सिपाही देश की सुरक्षा करके वहाँ के लोगों को सुरक्षित रकता है उसी तरह एक किसान हमारेलिए उन्न की सुरक्षा करकर हमे भूखमरि जैसी महामारी से बचाता है इसलिए अब खेति और किसान जो हमारा अन्मोल सांस्कृतिक धन है उनकी सुरक्षा करनी चाहिए और खेती को ज्यादा बढ़ावा देनी चाहिए।

हमे अन्न देने वाले किसान ही इस दुनिया के सबसे महान व्यक्ति है इसलिए हम सब को एक साथ गर्व से बोलना चाहिए, "जय जवान जय किसान।"

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)